E-CONTENT

Subject : Economics
Class : B.A Part I (Paper II)
Topic : International Bank for Reconstruction And Development (IBRD)

By :
EKATA KUMARI
(Guest Faculty)
Assistant Professor.
R.M.C Saharsa
Email I'd:
bhardwajekata@gmail.com

International Bank For Reconstruction Road Development

अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक (जिसे संक्षेप में विश्व बैंक भी कहते हैं) की स्थापना जुलाई 1944 में ब्रेटनवुड्स सम्मेलन में — अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-कोष के साथ ही हुई थी। मुद्रा-कोष की स्थापना के पीछे विनिमय दरों में अल्पकालीन उतार-चढ़ाव को सन्तुलित कर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि करने का उद्देश्य है। जबकि "विश्व बैंक की स्थापना का उद्देश्य युद्ध-जर्जरित अर्थव्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण तथा विकासशील राष्ट्रों के विकास के लिए दीर्घकालीन अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी विनियोग को प्रोत्साहित करना है।" अतः ये दोनों परस्पर पूरक संस्थाएँ हैं।

Functions of World Bank :— विश्व बैंक अपनी सहयोगी संस्थाओं i) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (International Development Association) या (IDA), ii) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (International Finance Corporation) या (IFC), तथा iii) बहुराष्ट्रीय निवेश गारन्टी एजेन्सी (Multinational Investment Guarantee Agency-MIGA) के साथ कई कार्य करता है।

विश्व बैंक के मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं —

(I) Advance Loans : विश्व बैंक सदस्य देशों को निम्नलिखित रूपों में ऋण सहायता प्रदान करता है :—

a) Loans from its own Fund — बैंक दत्त पूंजी के 20% तक अपने कोष से ऋण दे सकता है।

b) Loans from Borrowed Capital — बैंक सदस्यों को ऋण देने के लिए अन्य देशों से उधार ले सकता है। ऋण देने से पूर्व बैंक को उक्त देशों से अनुमति लेनी पड़ती है।

c) Arrangement of Loans by Guarantee विश्व बैंक किसी देश के व्यक्तिगत विनियमकर्ताओं को उनके ऋण की राशि की गारण्टी देकर भी उधार दिलवाने की व्यवस्था करवा सकता है। ऐसी गारण्टी देने से पूर्व बैंक को जिस देश के मुद्रा बाजार से ऋण लिया जा रहा है और जिस देश की मुद्रा में ऋण दिया जा रहा है, दोनों की आज्ञा लेना आवश्यक है।

II) To provide Technical Assistance

विश्व बैंक अपने सदस्यों राष्ट्रों को उनके आर्थिक सहायता एवं पुनर्निर्माण कार्यों में प्राविधिक सहायता भी प्रदान करता है। विश्व बैंक अविकसित सदस्य राष्ट्रों में आर्थिक सर्वेक्षण की व्यवस्था कर उनकी औद्योगिक, परिवहन, प्राकृतिक सम्पदा आदि के विकास की संभावनाओं की जाँच करता है।

III.) Arrangement of Training :— विश्व बैंक केवल प्राविधिक सहायता ही नहीं देता वरन् विकासशील सदस्य राष्ट्रों के अधिकारियों व विशेषज्ञों के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था करता है, ताकि उनमें आत्मनिर्भरता का विकास हो। 1949 में बैंक ने प्राविधिक प्रशिक्षण के अन्तर्गत विकासशील राष्ट्रों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक-वर्षीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चालू किया। 1950 में कनिष्ठ कर्मचारियों के लिए हिसाब-किताब रखने तथा लोक-वित्त सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया।

इस प्रकार, स्पष्ट होता है कि विश्व बैंक ऋण प्रदान करने के साथ-साथ तकनीकी एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी करता है।